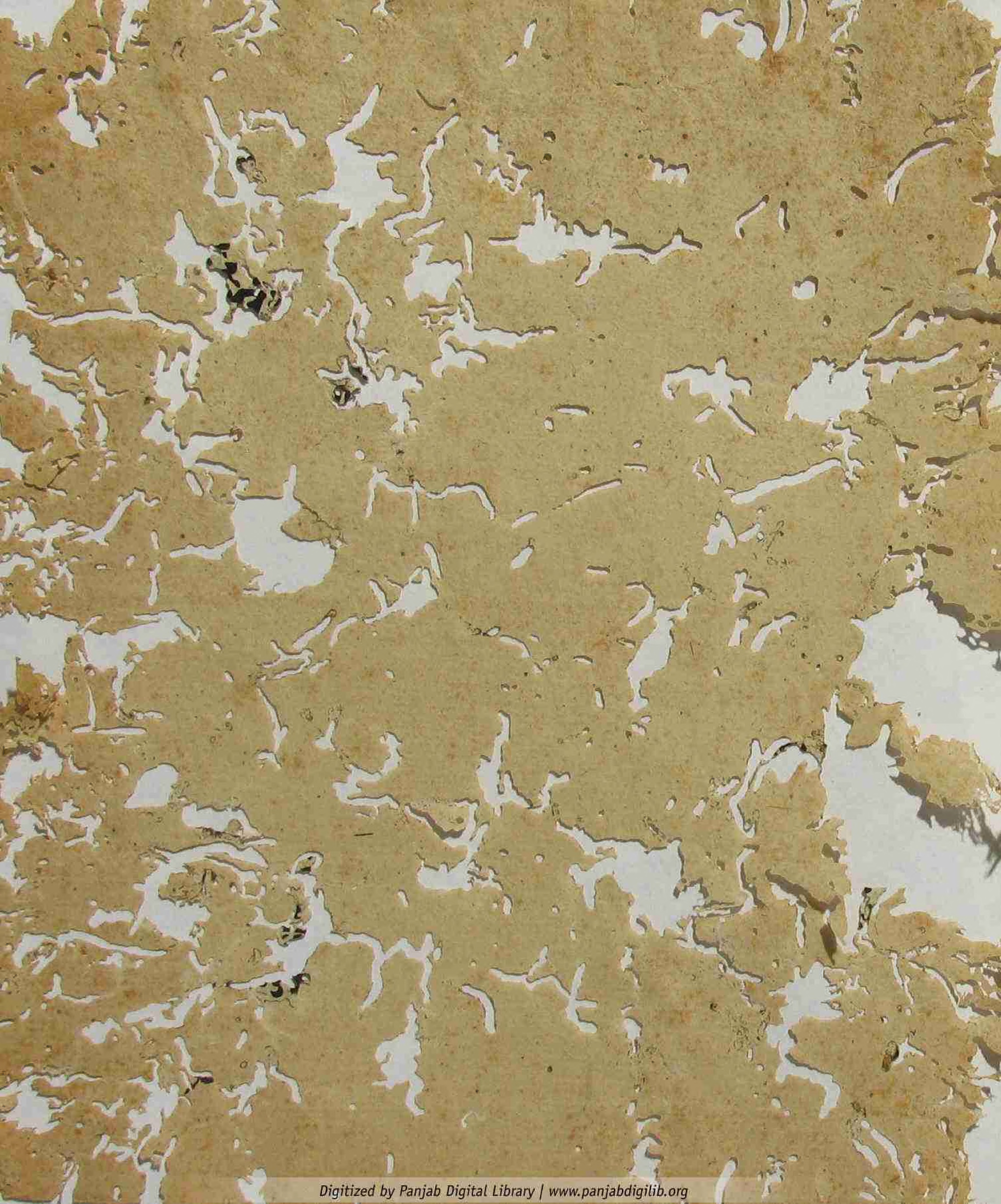


52995





















Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org



Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org



Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org







Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org



Handwritten text in Gurmukhi script, heavily damaged and torn. The text is arranged in approximately 15 horizontal lines. The script is dark and appears to be from a historical manuscript. The paper is yellowed and has significant physical damage, including tears and missing sections of text.



Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org







[illegible]



Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org



...यः प्रभुः कलः यवनवैगर्हः पिबुतैः  
पिबुतैः यजुः भाति ये धंते पदः ...  
...मिष्टक मिष्टक ... लद नाप्रभुः  
...न उरि लये निरे अतिम भूमेध वृत्त  
विद्ये लय नीवती हक इच मं विमधि रेया  
... तं भवं ज्वर मं ... च व नि  
... र्मा ... यः ... यि दु ड्य गुरु  
... हले ... न ... दिक ... एका  
... शिव ... पी ... लं लि ...

[illegible]

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥



Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org



੦੫	੦੭	੫	੬
----	----	---	---

੬	੭	੮	੯
---	---	---	---

੬੬	੩	੩	੩
----	---	---	---

੩੦	੩੩	੩	੩
----	----	---	---

੩੫	੩੭	੩	੩
----	----	---	---

੩੬	੩੮	੩	੩
----	----	---	---

ਸੰਤ

੩	੩	੩
---	---	---

॥

ਸਕਥ	੩੦	੩੦
-----	----	----

੩੦	੩੦	੩੦
----	----	----

੩੦	੩੦	੩੦
----	----	----

੩੦	੩੦	੩੦
----	----	----

੩੦	੩੦	੩੦
----	----	----

੩੦	੩੦	੩੦
----	----	----

੩੦	੩੦	੩੦
----	----	----

੩੦	੩੦	੩੦
----	----	----



